Tara
ज्योतिर्मय जीवन

मूल्य - 5 रुपये

नि:शुल्क नेत्र जाँच व चश्मा वितरण पखवाड़ा

700 नौनिहाल लाभान्वित

आशीर्वाद -
डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

मुख्य संरक्षक तारा संस्थान -
श्री एन.पी. भार्गव
उद्योगपति एवं समाज सेवी, दिल्ली

तारांशु

जून, 2013 मासिक

वर्ष 1, अंक 11, पृ.सं. 20 संपादक :- कल्पना गोयल

संरक्षक -
श्री सत्यभूषण जैन
उद्योगपति एवं समाज सेवी, दिल्ली

चेहरे अपनी व्यथा स्वयं कहते हैं - तृप्ति योजना से लाभान्वित महिला....

इश्तहार

बरामदे में पड़ी इकलौती, लड़खड़ाती, कुर्सी पर बैठे दूर शून्य में कुछ निहार रहे थे,

बाबूजी इतने में बड़े बेटे ने आकर बड़े प्यार से कहा ''पापाजी हम सभी घूमने जा रहे हैं, आप भी चलियेगा, बेटे के साथ आयी उसकी बच्ची ने बाबूजी का हाथ पकड़ लिया और हाथ हिलाते हुए कहने लगी ''हां दादू चलियेना आपके साथ बहुत मजा आयेगा।

बाबुजी ने बहुत ही सम्भलते हुए कहा, बेटे शाम हो गयी है। मुझे वैसे भी धुंधला-धुंधला सा दिखाई देता है, जाओ बेटे-जाओं ।कल या परसों जब भी फुर्सत मिले, मुझे आँख के डॉक्टर को दिखा लाना और सुनो.....

अभी आगे कुछ कहते बाबूजी - इतने में मझले बेटे की बहू ने अन्दर से बरामदे की ओर आते ही हाथ में पकड़ा हुआ एक रंगीन पर्चा, बाबूजी को पकड़ा दिया और कहने लगी शहर में अगले सप्ताह से एक संस्था विशेष आँखों की जाँच का नि:शुल्क शिविर लगा रही है, जिसमें आँखों की जाँच, मोतियाबिन्द व आँखों से सम्बन्धित अन्य बीमारियों का इलाज किया जायेगा- यह ''इश्तहार'' पढ़ लीजिएगा-समय -स्थान व दिनांक भी लिखी है।

इतना सुनते ही बाबूजी को अपना वजूद हिलता हुआ नजर आया- आँखें दीवार पर टंगी सुशीला की तस्वीर की ओर ठहर सी गयी। मन-ही-मन नम आँखों से सुशीला को याद करते हुए धन्यवाद दे रहे थे, ऐसी संस्थाओं को जो इस तरह के मानवीय कार्य करती है।

- योगेश अग्नि होत्री

तारांशु - वर्ष 1, अंक - 11, जून, 2013

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ क्रमांक
इश्तहार	2
अनुक्रमणिका	3
एक पहलू यह भी	4
हमारा परिवार	5
गौरी योजना	6
तृप्ति सेवा	7
पैदल चल कर पहुँचे, आनन्द वृद्धाश्रम में	8-9
मोतियाबिन्द जाँच शिविर	10-13
नेत्र जाँच पखवाड़ा	14
Tara Contacts	15
Thanks to Donors	16-17
Kindly Donate	18
वृद्धावस्था में	19

आशीर्वाद डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

तारांशु मासिक, जून, 2013
'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

एक पहलू यह भी.....

आदिवासी क्षेत्रों में जब ''तारा'' की टीम कैम्प के लिए सर्वे पर जाती है..... और गहन प्रचार प्रसार के बाद कैम्प के दिन कुछ वृद्धों का चयन होता है, मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु..... चयन के बाद की प्रक्रिया में हम उसी वक्त एम्बुलेन्स में चयनित वृद्धों को बिठाकर तारा नेत्रालय ले आते हैं..... आप आश्चर्य करेंगे कि उन चयनित वृद्धों में से अक्सर 70% वृद्ध ही आने को तैयार होते हैं.... 30 से 40% लोग किसी-न-किसी जायज नाजायज वजह को कारण बनाते हुए ऑपरेशन नहीं कराते हैं..... और उनमें कुछ पेशेन्ट्स की स्थिति तो इतनी गंभीर होती है कि उनका अगर तुरन्त ऑपरेशन नहीं किया गया तो मोतियाबिन्द काला पानी में तब्दील हो जाएगा..... और अन्ततः आँखों की ज्योति शनैः शनैः चली जाएगी.....

कई बार जब इन वृद्ध पेशेन्टस से मैं पूछती हूँ कि आपके मोतियाबिन्द पक गया है और अगर कैम्प नहीं लगता आपके गाँव में..... और ऑपरेशन नहीं होता समय से..... तो क्या करते आप ?..... तो उनका बिना किसी तनाव के एक ही जवाब होता है..... जो होता हो जाता..... मतलब समय से ऑपरेशन नहीं करवा पाने की कोई कशमकश या प्रयास या चाहत जैसी किसी भी संभावना का कोई चिन्हन नहीं होता है वहाँ भरपूर आश्चर्य होता है मुझे कि अशिक्षा और गरीबी ने इन लोगों को इस स्थिति में पहुँचा दिया कि हर अंजाम को सहने के लिए अलग से शक्ति की भी जरूरत नहीं पड़ती..... दिल दिमाग जैसे शून्य हो गए हैं..... कभी मजदूरी मिली तो भरपेट खाना खा लिया और कभी भूखे पेट ही सो गए..... बिना किसी शिकायत के.....

ढेरों ढेरों धन्यवाद देना चाहूँगी आप सभी को जिनके सौजन्य से कैम्प लग रहे हैं, उम्मीद और आशा के अणु प्रस्फुटित हो रहे हैं,..... समय रहते मोतियाबिन्द का ऑपरेशन हो रहा है,..... आँखें जो उम्र की अधिकता से थोड़ी बोझिल हो रही थी..... उनमें नई जान आ गई है..... पुनः धन्यवाद आपका।

कल्पना गोयल
संस्थापक एवम् अध्यक्ष
तारा संस्थान, उदयपुर

मदद चाहने हेतु आया एक पत्र

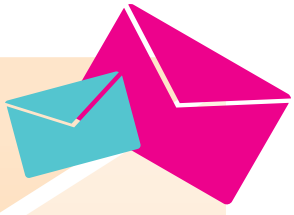

सेवामें,

श्रीमान् अध्यक्ष, तारा संस्थान, उदयपुर (राज)

विषय - विधवा पेन्शन स्वीकृति हेतु आवेदन।

महाशय,

सविनय निवेदन है कि मैं एक अबला असहाय औरत हूँ। मेरे पति की मृत्यु उपरान्त हमारे घर पर हमारा और हमारी पुत्री का भरण-पोषण करने वाला कमाऊ व्यक्ति नहीं है। हमारी एक पुत्री है, जिसका शादी तो किसी तरह किया, परन्तु दहेज नहीं चुका पाने पर इसे भी ससुराल वाले छोड़ दिये और वे दूसरा शादी कर घर संसार बसा लिया। परन्तु हमारे पुत्री का न तो शादी कर पा रहे हैं ना ही ठीक ढंग से खान-पान दे पा रही हूँ। हमारे और हमारी पुत्री का भरण-पोषण करना काफी कठिनाई करना पड़ रहा है। हमें टी.वी. चैनल पारस के माध्यम से पता चला कि आप के संस्थान से कुछ मदद मिल पाएगा।

अतः श्रीमान् से सादर अनुरोध है कि हमें हमारी स्थिति देखते हुए आपश्री मदद करने का कृपा प्रदान करें। जिसके लिए आपकी सदा आभारी बनी रहूँगी।

आपकी विश्वासी.....

मंजू देवी
पत्नी स्व. गुरुदेव गिरी, ग्राम चिरूडीह, पोस्ट-भण्डारी, जिला-बोकारो 829132 (झारखण्ड)

हमारा परिवार....

तारा संस्थान को सक्रिय रूप से कार्य करते हुए लगभग दो वर्ष होने जा रहे हैं। इन दो वर्षों में तारा ने दो आँखों के अस्पताल और एक वृद्धाश्रम का संचालन किया है। आँखों के अस्पताल में तो वृद्ध आते हैं उनका ऑपरेशन होता है और वे चले जाते हैं। लेकिन ''आनन्द वृद्धाश्रम'' का हमारा परिवार निरन्तर बढ़ रहा है.....

''तारा'' में हमने ''आनन्द वृद्धाश्रम'' की शुरूआत इस मंशा से की थी कि ऐसे बहुत से गरीब ग्रामीण वृद्ध जिनके पास छत न हो और कोई देखभाल करने वाला न हो उन्हें सहारा मिल जाए लेकिन PRACTICAL परिस्थिति जो सामने आई वो यह थी कि गाँव में रहने वाले वृद्ध चाहे जैसे भी हो उसी हाल में रह लेगें पर अपना गाँव नहीं छोड़ेंगे..... शहरी मध्यम वर्ग या ऊपरी मध्यम वर्ग के वृद्ध हमारे आनन्द वृद्धाश्रम में आने लगे..... निश्चित रूप से कोई भी व्यक्ति अपने परिवार-अपनी जड़ों को नहीं छोड़ना चाहता है। जीवन की उसी अवस्था में जब सबसे ज्यादा जरूरत अपनों की होती है अपनों को ही छोड़ना पड़ता है। हमारे समाज में शायद वृद्धाश्रम में रहने को अच्छा नहीं माना जाता है..... माता-पिता कई बार बच्चों के अपमान के बाद भी घर नहीं छोड़ते हैं..... भारत में माता-पिता के हक में सशक्त कानून भी बने हैं लेकिन कानून का सहारा लेने के बारे में माता पिता विकटतम परिस्थिति में ही सोचेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम में शुरू में 25 वृद्धजन के रहने की व्यवस्था की थी। धीरे-धीरे अंकल-आंटी आने लगे हमें भी नहीं पता था कि 25 लोग आएँगे। लेकिन धीरे-धीरे 22-24 वृद्धजनों का हमारा परिवार हो गया। 3 जन हमें छोड़कर ईश्वर के पास चले गए लेकिन यह 22-24 की संख्या बनी रही। एक दिन चित्तौड़गढ़ के पास से एक माहेश्वरी दम्पत्ति आए उनकी बेटी उन्हें लाई थी महिला कक्ष में एक पलंग खाली था और शामिल वाले कक्ष में एक पलंग खाली था वे दोनों एक ही कक्ष में रहना चाहते थे,..... उनके आने से ही यह विचार आया कि भविष्य में कोई और आया तो ?

यह निर्णय किया कि वृद्धाश्रम वाले फ्लोर पर ही दो कक्ष और तैयार कराए जाएँ..... इस तरह 12 बेड की क्षमता आनन्द वृद्धाश्रम में बढ़ाई गई..... वे चित्तौड़गढ़ वाले दम्पत्ति तो चले गए शायद उनके बेटों से सुलह हो गई..... पर बेड बढ़ाने के बाद दो वृद्धजन मुम्बई से एक उदयपुर के पास केसरियाजी से और एक दिल्ली से आए..... लगता है कि चित्तौड़गढ़ वाले दम्पत्ति ईश्वर का संदेश लाए थे कि भाई वृद्धाश्रम की क्षमता बढ़ा लो.....

यह प्रश्न मन में उठता है कि आगे क्या..... ये सब बेड भी भर गए तो क्या होगा..... उदयपुर के आसपास जमीन देख रहे हैं जिस पर एक सुन्दर सा वृद्धाश्रम बने और सबसे बड़ी बात यह कि हमारे परिवार में कोई सदस्य जुड़ना चाहे तो हमें ना नहीं कहना पड़े...

– दीपेश मित्तल

गौरी सेवा योजना

निर्धन असहाय विधवाओं को नकद राशि सहायता

असहाय विधवा महिलाओं को थोड़ा सम्बल प्रदान करने के उद्देश्य से तारा संस्थान द्वारा ऐसी निर्धन विधवाओं को प्रतिमाह 1000 रुपया नकद सहायता पहुचाई जा रही है, जिनका कोई सहारा नहीं है। गौरी योजना के अन्तर्गत सहायता स्वरूप दानदाताओं से प्राप्त होने वाली दान राशि इन विधवा महिलाओं के बैंक खातों में प्रतिमाह सीधे पहुँचाई जा रही है। यद्यपि महंगाई के इस समय में यह राशि अत्यल्प है, तथापि इस राशि से इन महिलाओं को कुछ राहत मिल रही है।

प्रस्तुत है, गौरी योजना लाभार्थी कुछ विधवाओं का विवरण

श्रीमती मान कंवर, निवासी- चुरू की अवस्था अत्यन्त शोचनीय है। ये अभी मात्र 33 वर्ष की है और 7 पुत्रियों (2 से 13 वर्ष की आयु सीमा में) के भरण-पोषण की जिम्मेदारी का सामना कर रही है। इनके पति श्री बलवीर सिंह का लम्बी बीमारी के बाद 2 वर्ष पूर्व निधन हो गया। इनके पास न तो आय का कोई साधन है, और न ही कोई मददगार । रहने के लिए भी एक खण्डहर नुमा टूटा-फूटा घर। इन्हें तारा संस्थान के टेलीविजन प्रसारण देखकर गौरी योजना की जानकारी मिली और इन्होंने सहायता के लिए आवेदन किया। तारा संस्थान में इनके आवेदन को स्वीकार कर इन्हें गौरी योजना में चयनित कर लिया है

जय श्री ईश्वर दास इंगले, आकोला (महाराष्ट्र) की रहने वाली हैं। इनके 4 व 2 वर्ष के 2 बच्चे हैं। पति का निधन 2 वर्ष पूर्व हो गया। इनके पास आय और आवास का कोई साधन नहीं है। किराये के एक कमरे में अपनी माँ और दोनों बच्चों के साथ रहती हैं। संघर्ष करते हुए ये अपनी अधूरी शिक्षा को पूरा करना चाहती हैं, पर बच्चों के भरण-पोषण और कमरे के किराये की व्यवस्था भी ठीक प्रकार से नहीं हो पाती है। पड़ोसी के यहा पारस चैलन पर तारा संस्थान का प्रसारण देखकर गौरी योजना के अन्तर्गत सहायता के लिए आवदेन किया। उनका गौरी योजना में चयन कर लिया गया है।

श्रीमती भारती बाई, जलगाँव (महाराष्ट्र) की हैं। इनकी आयु 32 वर्ष है। इनके 2 बच्चे हैं। इनके पति का पक्षाघात से निधन हो गया। ये एकदम असहाय और बेसहारा हैं। ये आस-पड़ोस के घरों में झाड़ू-पौंछा, बर्तन, सफाई का काम करके अपने बच्चों का व स्वयं का पेट पाल रही हैं। पारस चैनल पर तारा संस्थान का प्रसारण देख कर इन्होंने अपनी दु:खभरी वेदना से तारा संस्थान को अवगत कराया और अपने बच्चों को दो समय भरपेट खाना खिला सके, इस हेतु सहायता का निवेदन किया । तारा संस्थान ने इन्हें गौरी योजना के अन्तर्गत 1000 रुपया प्रति माह सहायता के लिए चयनित किया है।

श्रीमती ममता अग्रवाल- जयपुर की रहने वाली श्रीमती ममता अग्रवाल की आयु 32 वर्ष है। उनके 2 पुत्र हैं। इनके पति का लिवर कैन्सर के कारण 2 वर्ष पूर्व निधन हो गया। पति की मृत्यु के बाद बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी उन पर आ गई और गुजारे का कोई साधन नहीं। रहने की भी कोई समुचित व्यवस्था नहीं। तारा संस्थान ने इन्हें 1000 रुपया प्रतिमाह नकद सहायता राशि के लिए चयनित किया है, ताकि इनके बच्चों को भूख की पीड़ा से कुछ राहत मिल सके।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों, तो कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान-सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

तृप्ति सेवा

निर्धन बुजुर्गों को खाद्य सामग्री सहायता

दानदाताओं द्वारा भेजी जा रही दान सहयोग राशि से तृप्ति योजना के अन्तर्गत असहाय निर्धन बुजुर्गों को उनके घर तक प्रति माह खाद्य साम्रगी सहायता पहुँचाई जा रही है, जिससे इन बुजुर्गों को भूख की पीड़ा से राहत मिल रही है। इस सहायता के लिए हम सभी दानदाताओं के प्रति आभारी हैं। प्रस्तुत है - तृप्ति योजना के कुछ लाभार्थियों का विवरण -

फेफली बाई गाडरी - फेफली बाई की उम्र 80 वर्ष गाँव वरणी, ब्लॉक - भीण्डर, तहसील - वल्लभनगर, जिला - उदयपुर (राज.) की निवासी हैं। रहने के लिए कुछ भी स्थान नहीं है। गाँव में मन्दिर में रहती है। मन्दिर को ही निवास स्थान बना रखा है। दोनों समय भोजन की व्यवस्था नहीं हो पाती है। एक पुत्र है वह भी कुछ नहीं करता है।

पुंजी बाई मीणा - इनकी उम्र 75 वर्ष है। गाँव खेरकी कातनवाड़ा, तहसील - सराड़ा जिला उदयपुर की निवासी है। इनके पति का स्वर्गवास हो चुका है। इनके बच्चा-बच्ची नहीं हैं। देखभाल करने वाला भी कोई नहीं। उम्र ज्यादा होने के कारण मजदूरी भी नहीं कर पाती हैं। तृप्ति योजना के माध्यम से करीब 1 साल से इनको राशन सामग्री दी जा रही है। इस सहायता से इनकी तकलीफें कुछ सीमा तक दूर हुई हैं।

उदय लाल मीणा - इनकी उम्र 43 वर्ष है। गाँव - गुडेल, तहसील - सलुम्बर, जिला - उदयपुर के निवासी हैं। ये अविवाहित हैं। इनका मानसिक सतुंलन ठीक नहीं है। रहने को मकान भी नहीं है। देखभाल करने वाला कोई नहीं है। अत: इनको 1/5 वर्ष से राशन दिया जा रहा है। तारा संस्थान द्वारा दी जा रही सहायता से पड़ोसी इन्हें खाना बनाकर दे देते हैं, जिससे इनका गुजर-बसर हो रहा है।

लेहरी बाई मेघवाल - इनकी उम्र 75 वर्ष है। गाँव कुराबड़, जिला - उदयपुर की निवासी हैं। इनके पति का स्वर्गवास 20 वर्ष पूर्व हो चुका है, बच्चे - बच्ची नहीं हैं। परिवार में भी इनको देखभाल करने वाला कोई नहीं है। तृप्ति योजना में दी जा रही खाद्य सामग्री सहायता से ये भूख की पीड़ा से मुक्त हुई हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर हो ने के कारण इनको विगत 1) वर्ष से राशन - सामग्री दी जा रही है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को निम्नानुसार मात्रा में 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

आटा - 10 कि.ग्रा., चावल - 2 कि.ग्रा., दालें - 1.5 कि.ग्रा., खाद्य तेल - 1 कि.ग्रा., शक्कर - 1.5 कि.ग्रा., मसाले (धनिया, मिर्च, हल्दी) - 500 ग्रा., नमक - 1 कि.ग्रा., साबून - 2, नकद राशि - रु. 300 (शाक - सब्जी के लिए)। खाद्य - सहायता व्यय - रु.1500 प्रति व्यक्ति, प्रतिमाह

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है। आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि
रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

आनन्द वृद्धाश्रम - पैदल चल कर पहुँचे...

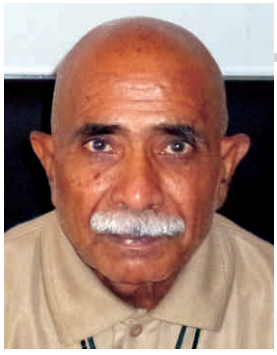

वृद्धावस्था में भरण-पोषण और सार-सम्भाल की अपेक्षा में जो व्यक्ति अपनी औलाद की परवरिश करते हैं, उनसे शायद कहीं चूक हो जाती है। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आ रहे हैं, जहाँ तकलीफें देखकर भी लाड़-प्यार से पाले-पोसे गये बच्चे-अधिकतर पुत्र, अपने वृद्ध माता-पिता का परित्याग कर देते हैं, उन्हें बेसहारा छोड़ देते हैं या उन्हें यातना देते हैं। ऐसे वृद्ध माता-पिता आखिर जायें, तो कहाँ जाये। यह शायद उनकी परवरिश में ही किसी कमी या संस्कार-हीनता के कारण होता है। कई मामलों में बुजुर्गों का स्वभाव और अपनी औलाद के प्रति व्यवहार भी इस दुरावस्था का कारण होता है।

आनन्द वृद्धाश्रम के नये आवासी 85 वर्षीय श्री केशवदास ऐसे ही एक उदाहरण हैं। उदयपुर से लगभग 60 किलोमीटर दूर केसरियाजी निवासी श्री केशवदास अपनी जवानी के दिनों में अहमदाबाद गांधीनगर आदि स्थानों पर सुतारी का कार्य करते हुए अपने व अपने परिवार का भरण-पोषण करते रहे । एक पुत्र एक पुत्री और पत्नी का परिवार। पुत्री का विवाह हो चुका है। इनकी घर-गृहस्थी ठीक-ठाक ही चल रही थी, पर पुत्र के विवाह के पश्चात् इनके दुर्दिन प्रारम्भ हो गये। पुत्र-पुत्रवधू के प्रताड़नापूर्ण व्यवहार से दु:खी होकर इन्होंने गृहत्याग कर लिया। बेटे-बहू ने कोई खबर नहीं ली। अपनी पत्नी के बारे में कुछ पता नहीं। आश्रय की तलाश में ये 85 वर्ष की आयु में भी जैसे तैसे पैदल चलते हुए और जगह-जगह रात्रि विश्राम करते हुए ये केसरिया जी से उदयपुर पहुँचे । इन्हें तारा संस्थान के वृद्धाश्रम की जानकारी मिली और इन्होंने तारा के मुख्य कार्यकारी श्री दीपेश मित्तल से बात की। इनकी लाचार परिस्थितियों को देखकर इन्हें आनन्द वृद्धाश्रम में आश्रय दिया गया है, जहाँ श्री केशवदास अब सुख-सुकून भरा जीवन यापन कर रहे हैं।

आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में....

मैं टी.आर. कालड़ा रिटायर्ड इन्जीनियर, निवासी - ममता एन्कलेव, जीरकपुर डकोली, जिला मोहाली का निवासी हूँ। मैंने आनन्द वृद्धाश्रम में चार दिन गुजारे हैं और यहाँ का हाल-चाल व रहने की व्यवस्था देखने के लिए आया था, क्योंकि मैं अपना बाकी जीवन इस आनन्द वृद्धाश्रम में व्यतीत करना चाहता हूँ। इसके लिए सबसे पहले मैं बहन कल्पना गोयल जी से मिला। उनका स्वभाव व आदर सत्कार देखकर मैं हैरान हो गया कि क्या किसी ऐसी संस्था का संचालक एक अनजान वृद्ध से इतनी आत्मीयता से पेश आ सकता है। उन्होंने फोरन मेरी समस्या सुनकर मुझे एडमीट कर लिया व सब जरूरी सामान व सुविधा उपलब्ध करवाई।

यहाँ की सफाई, खाने-पीने, रहने की व्यवस्था देखकर मैं बहुत ही आत्म विभोर महसूस कर रहा हूँ। किसी प्रकार की कोई कमी नहीं होने देते।

मैं सब लोगों से निवेदन करुँगा कि इस संस्था के लिए अपनी तरफ से जो भी सम्भव हो सके आर्थिक सहायता अवश्य करें।

धन्यवाद....

टी. आर. कालड़ा

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह - 5000 रु., 03 माह - 15000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 वर्ष - 60000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम में पलंग भेंट

आनन्द वृद्धाश्रम में बुजुर्गों की सुख - सुविधा के लिए भेंट किये गए पलंगों पर विश्राम करते आवासी बुजुर्ग

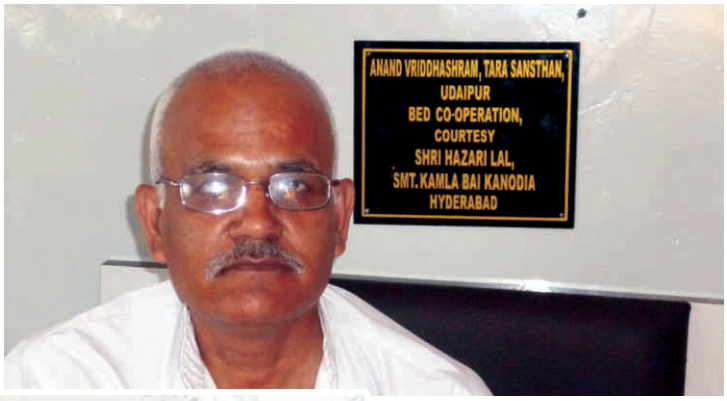

आपश्री भी 75,000/- रुपया देकर एक पलंग के लिए दान सहयोग दे सकते हैं।
आनन्द वृद्धाश्रम हेतु....

आनन्द वृद्धाश्रम के आवासी एक दिवस मनोरंजन भ्रमण पर

उदयपुर के गुलाब बाग में खेल रेल गाड़ी,
(TOY TRAINS) में सफर का आनन्द

गुलाब बाग के खुले मैदान (LAWN) में सुकून
भरी विश्रान्ति का अनुभव

मोतियाबिन्द जाँच शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यत: पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द-ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा नि:शुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। नि:शुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

शिविर विवरण

'तारा संस्थान' द्वारा माह अप्रैल - मई, 2013 की अवधि में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच, चयन शिविर व ऑपरेशन का संक्षिप्त विवरण

दिनांक	स्थान	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	चयनित
09 अप्रैल, 2013	उपस्वास्थ्य केन्द्र, गाँव - कुंथवास, तहसील - वल्लभनगर, जिला - उदयपुर (राज.)	श्रीमती सीता देवी भारद्वाज, निवासी - बर्मिंघम, यू.के.	140	25
10 अप्रैल, 2013	आंगनवाड़ी केन्द्र, गाँव - चावण्डीया, पं. स. - रेलमगरा, जिला - राजसमन्द (राज.)	श्रीमती रेखा बेन डेकर, श्रीमान् हरी भाई बी डेकर निवासी - अमरोली, सूरत (गुजरात)	113	07
10 अप्रैल, 2013	तारा नेत्रालय, WZ - 270, गाँव - नवादा, उत्तम नगर, दिल्ली - 59	दुर्गा महिला सत्संग, दिल्ली नारायण विहार, नई दिल्ली - 110028	80	04
14 अप्रैल, 2013	राजकीय माध्यमिक विद्यालय, गाँव- पूरीया खेड़ी, तहसील - वल्लभनगर,जिला - उदयपुर (राज.)	श्रीमती रेवा बेन डेकर, श्रीमान हरी भाई बी. डेकर निवासी - अमरोली, सूरत (गुजरात)	104	13
15 अप्रैल, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	ओम साई मेटल प्रा. लि. निवासी - मुम्बई (महा.)	96	11
18 अप्रैल, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्रीमती प्रिया बी. मिण्डा, निवासी - मुम्बई (महा.)	68	04
21 अप्रैल, 2013	अंजना शिशु निकेतन विद्यालय, बजाज नगर, गाँव-नान्दवेल, तह. मावली, जिला - उदयपुर (राज.)	मिनिषा जी बारोलिया, निवासी - लन्दन (यू.के.)	95	12
24 अप्रैल, 2013	सामुदायिक भवन, गुरुकूल ग्राउण्ड, मिडिल स्कूल के सामने, ऋषभदेव, जिला - उदयपुर (राज.)	श्रीमती गुंजन जैन (सुपुत्री - श्रीमती रुक्मणी रानी धर्मपत्नी श्री सुशील कुमार सिंघल), वसुन्धरा	135	35
26 अप्रैल, 2013	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, तहसील - मावली, जिला - उदयपुर (राज.)	पिताश्री रमेश जी के. कुमार - माता श्रीमती सुमन देवी, निवासी - मुम्बई	107	05
26 अप्रैल, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	सुरेश पारिख एवं एसोसिएट, निवासी - नागौर (राज.)	76	05
28 अप्रैल, 2013	पंचायत भवन, डाकन कोटड़ा, तहसील - गिर्वा, जिला - उदयपुर (राज.)	श्रीमान् सिंह भाई वर्मा, निवासी - अहमदाबाद (राज.)	110	05

01 मई, 2013	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्रीमती ललिता जी एवं सुशील जी सोनी निवासी - लाडनू, नागौर (राज.)	94	05
01 मई, 2013	राजीव गाँधी सेवा केन्द्र, कठार, पंचायत समिति, बड़गाँव, तहसील - गिर्वा, जिला - उदयपुर (राज.)	श्री हरिहर भाई पटेल, निवासी - यू.के.	99	09
09 मई, 2013	राजकीय माध्यमिक विद्यालय, रावलिया खुर्द, तहसील - गोगुन्दा, जिला - उदयपुर (राज.)	श्रीमती सुधा जी गोस्वामी - श्री श्याम गिरी गोस्वामी निवासी - चिकली, पूना (महा.)	140	06
11 मई, 2013	पंचायत भवन, श्रीमालीओं की कडिया, तहसील - बड़गाँव, जिला - उदयपुर (राज.)	श्री पारमल जी मोकम चन्द जी बाफना, निवासी - ब्यावर (राज.)	87	06
15 मई, 2013	राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, गाँव - लोदा, तहसील - सलुम्बर, उदयपुर (राज.)	श्री दिव्येश ए. शाह, निवासी - मुम्बई	51	03
19 मई, 2013	राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, गाँव - घोडान कला, तहसील - बड़गाँव, उदयपुर (राज.)	श्रीमती मन्जुला बेन एम. परमार निवासी - यू.के.	45	05
19 मई, 2013	रूप मेमोरियल पब्लिक स्कूल, गली नं. 03 ई, वेस्ट गोरख पार्क, शाहदरा, दिल्ली - 32	श्रीमान संजय जी, निवासी - दिल्ली	60	01

दो शब्द बुजुर्गों के प्रति

''जिन्दगी के सफर में दोस्त बनाते रहिये।।
कभी उनकी सुने, कभी अपनी सुनाते रहिये।।

हंसते रहें सदा आप हम सब के बीच में।
जैसे फूल खिलते हैं बहारों के बीच में।।''

श्रीमती राजलक्ष्मी श्रीवास्तव
इन्दौर (म.प्र.)

OKAYA Foundation ...Happiness forever के सौजन्य से 4 शिविर आयोजित

देश की सुप्रसिद्ध एवम् अग्रणी पावर कम्पनी ओकाया पावर लिमिटेड द्वारा संकल्पित 10 मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविरों के क्रम में माह मई, 2013 में ''ओकाया फाउण्डेशन'' के सौजन्य से चार और शिविर आयोजित किए गये हैं। 4 मई, 2013 को प्रथम शिविर का आयोजन पीरागढ़ी चौक, दिल्ली में सम्पन्न हुआ। इस शिविर में कुल - 640 रोगियों के नेत्रों की जाँच की गई जिनमें से 7 नेत्र रोगी मोतियाबिन्द ऑपरेशन के योग्य पाये गये। इनका 'तारा नेत्रालय', दिल्ली में मोतियाबिन्द ऑपरेशन किया गया। शिविर में आँखों की जाँच के पश्चात् 185 रोगियों को चश्मे भी दिये गये व शेष रोगियों को दवाई एवं परामर्श दिया गया। शिविर में ओकाया फाउण्डेशन के सम्मानित सदस्य श्री राजेश जैन, श्री नवीन जैन, श्री सत्यप्रकाश उपस्थित रहे।

ओकाया फाउण्डेशन द्वारा ही दिनांक 12 मई, 19 मई एवं 26 मई, 2013 को हिमाचल प्रदेश में सोलन जिले के गाँव हण्डाकुण्डी, गाँव - पन्जेरा एवम् परवानु में भी शिविर आयोजित करवाये गये। इन शिविरों में क्रमश: 475, 400 व 320 रोगियों की जाँच की गई, जिनमें क्रमश: 13, 12 व 10 नेत्र रोगी ऑपरेशन के योग्य पाये गये। इन शिविरों में क्रमश: 250, 125 व 104 रोगियों को जाँच के पश्चात् चश्मे भी वितरित किए गये। चयनित रोगियों के तारा संस्थान के दिल्ली स्थित तारा नेत्रालय में मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए जा रहे हैं। यह उल्लेखनीय है कि ओकाया फाउण्डेशन ने अब तक कुल 8 मोतियाबिन्द जाँच एवम् ऑपरेशन हेतु चयन शिविरों का आयोजन करवा कर नेत्र रोग पीड़ित असहाय बन्धुओं को नेत्र ज्योति प्रदान करने के अपने मानवीय दायित्व का सराहनीय निर्वहन किया है।

जन्म दिन के उपलक्ष्य में शिविर आयोजित

श्री रमेश सचदेवा ने धर्मपत्नी श्रीमती शमा सचदेवा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में 16 अप्रैल, 2013 को मोतियाबिन्द जाँच-ऑपरेशन हेतु चयन शिविर के आयोजन का सौजन्य किया।

चि. बेबी याशिका के जन्मदिन के उपलक्ष्य में

याशिका इन्टरप्राइज के प्रोप्राइटर श्री देवेन्द्र त्यागी ने दिनांक 02 मई, 2013 को अपनी पुत्री बेबी याशिका के जन्मदिन के उपलक्ष्य में तारा नेत्रालय, नवादा, उत्तम नगर, दिल्ली में मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर आयोजित करवाया। शिविर में कुल 56 रोगियों की जाँच की गई, जिनमें 6 रोगियों को ऑपरेशन के योग्य पाया गया। जाँच में योग्य पाये गये 30 रोगियों को चश्मे भी वितरित किये गये। चयनित सभी 6 रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली में मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाये गये। यह उल्लेखनीय है कि अपनी पुत्री याशिका के जन्मदिन के उपलक्ष्य में श्री देवेन्द्र त्यागी ने गत वर्ष भी तारा संस्थान के तत्त्वावधान में मोतियाबिन्द जाँच एवं ऑपरेशन हेतु शिविर का आयोजन करवाया था और मोतियाबिन्द ग्रस्त रोगियों के ऑपरेशन सम्पन्न करवाए थे।

दिनांक : 01 मई, 2013
स्थान : जैन स्थानक, टी-12 गली नं., 07, निकट नवजीवन पब्लिक स्कूल, गौतमपुरी, दिल्ली - 53

सौजन्यकर्त्ता :
श्रीमती सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जी जैन,
माताश्री - श्री पीयुष जैन, श्री पंकज जैन
(राम नारायण कृष्णा देवी जैन फाउण्डेशन - रजि.)

कुल ओ.पी.डी. - 550, ऑपरेशन के लिए चयनित - 16, चश्मे - 250

दिनांक : 26 मई, 2013
स्थान : गुरुद्वार सिंह सवा, अफजल नगर, निलोटी चन्द्र विहार, दिल्ली

सौजन्यकर्त्ता :
सुरिन्द्र प्रॉपर्टीज केयर ऑफ सुरिन्द्र सिंह जी, निवासी - दिल्ली

कुल ओ.पी.डी. - 430
ऑपरेशन के लिए चयनित - 12, चश्मे 186

नि:शुल्क नेत्र जाँच पखवाड़ा

राजस्थान पत्रिका, उदयपुर और तारा नेत्रालय के संयुक्त तत्त्वावधान में 18 वर्ष की आयु तक के बालक बालिकाओं के नेत्रों की जाँच के लिए तेरह दिवसीय नि:शुल्क नेत्र जाँच पखवाड़ा आयोजित किया गया। उदयपुर शहर व आस-पास के बालक-बालिकाओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया। तारा नेत्रालय के चिकित्सकों ने बच्चों के आँखों की जाँच की, आवश्यकतानुरूप चश्मे के नम्बर निकाले, दवाइयाँ वितरित कीं। तारा संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल ने इस पखवाड़े के शुभारम्भ पर बताया कि शिविर में जाँच हेतु आने वाले चश्मे के योग्य पाये गये प्रथम 500 बालकों को चश्मे भी नि:शुल्क वितरित किए जायेंगे तद्नुसार ही चश्मे भी नि:शुल्क वितरित किए गये। लगभग 700 बालक - बालिकाओं ने इस सुविधा का लाभ उठाया।

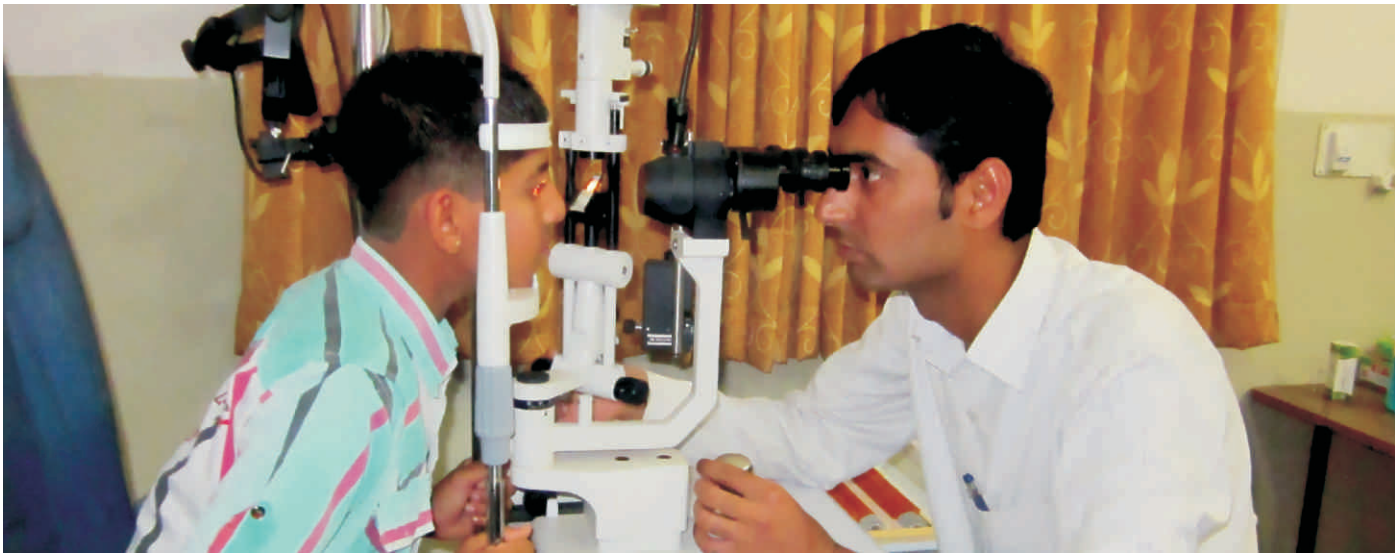

Shri Manjul Kumar, husband of Honorable speaker Lok Sabha Meera Kumar being felicitated by Shri Satya Bhushan Jain, Patron of Tara Sansthan.

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Ashram
Mahendra & Mahendra Implies Co. H. Society
Park View Builing, B - 26 IInd Floor,
Kulupawadi, Boriwali (E) Mumbai 400066
Shri Amit Vyas Cell : 07666680094
Shri Madhusudan Sharma Cell : 09870088688

Gurgaon Ashram
B-30, Old DLF Colony,
Sector - 14,
Gurgaon (Haryana)
Shri Kamlesh Joshi
Cell : 08285240611

Delhi Ashram
WZ-270, Village - Nawada,Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59
Shri Mukesh Menaria,
Cell : 09560626661 (Hosp.),
Shri Amit Sharma,
Cell : 09999071302, 09971332943

Surat Ashram
295, Chandralok Society,
Parwat Gaon, Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya
Cell : 08866219767 (Guj.)
09829906319 (Raj.)

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Shri Prem Kumar Mata
Banswara (Raj.)
Cell : 09414101236

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Prabha Ji Jhanwar
Amrawati
Cell : 09823066500

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Lunkaran Sharma
Vijaywada (AP)
Cell : 09392411117, 09440449633

Shri Kulbhushan Parashar
Birmingham (England)
Cell : (0044) 121 5320846, (0044) 7815430077

Shri Sethmal Modi
Dumka (Jharkhand)
Cell : 09308582741

Shri Vikas Chaurasia
Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006
09414473392

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 08950765483 (HR)
09001864783

Shri Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 09660153806
09649999540

Shri Sanjay Chaubisa
Area Delhi
Cell : 09602506303

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Surendra Kumar & Mrs. Bimla Jain
Shahadara, Delhi

Mr. Har Govind & Mrs. Krishna Sindawani
Delhi

Mr. Bharat Bhooshan Ji & Mrs. Shanti Devi
Uttam Nagar, Delhi - 59

Mr. B.P. Gupta & Mrs. Rajani Gupta
Krishna Nagar, Delhi

Mr. R.K. Jain & Mrs. Shashi Jain
Delhi - 67

Mr. Omprakash Arora & Mrs. Usha Arora
Aadarsh Nagar, Delhi

Mr. Ratanlal Taksali & Mrs. Jamnawati
Jaipur

Mr. Krishna Khandelwal & Mrs. Savitri Devi
Akola (MH)

Mr. Ram Chandra Hans with Wife
Bhuneshwar

Mr. P. C. & Mrs. Chanda Ambani
Jodhpur (Raj.)

Mr. Hari Singh & Mrs. Shakuntala Sharma
Agra (UP)

Mr. Sukh Veer Singh & Mrs. Beermati Singh
Hathras (UP)

Mr. Sanjay Kumar & Mrs. Neelam Lohiya
Chandigarh

Mr. Mahesh Chand Garg & Mithlesh Garg
Dehradun (UK)

Mr. Gyan Chand Sharma with Wife
Yamunanagar, Delhi

Mrs. Sheela Devi Chopra
Karol Bagh, Delhi

Mr. Kanwar Ji Singhai
Gurgaon (HR.)

Monika Sharma
Delhi

Mr. Roshan Lal Yadav
Shakurpur, Delhi

Lt. Mrs. Sharda Devi
Sharma, Vardha (MH)

Mr. Tara Chandra Kothari
Yawatmaal (MH)

Mr. Samayak Surana
Yawatmaal (MH)

Mr. Gyan Chandra Kothari
Yawatmaal (MH)

Mr. Paras Chothmal
Khajanchi, Chandpur (MH)

Mr. Kailash Agrawal
Akot

Mr. Govind Ram & Mrs. Krishna Bhojak
Jaipur

Mr. Nirankar & Mrs. Runi Agrawal
Allahabad (UP)

Mr. Kailash Chand & Mrs. Trishala Jain
Jaipur

Dr. Shivhari Shrivastav with Wife
Varanasi

Mr. Anurag Jain with Family
Rohtak (HR)

Mr. Anil & Mrs. Chitta Mathur
Agra (UP)

Mr. Suresh Kumar & Mrs. Sheela Jindal
Pitampura, Delhi

Mr. Bhanwar Lal & Mrs. Shashi Parihar
Jodhpur

Mr. Hari Shankar & Mrs. Sharda Devi Goyal
Agra (UP)

Mr. O.P. Arora & Mrs. Kunti Arora
Jaipur

Mr. Rajkumar Bhasin with Wife
Dhule (MH)

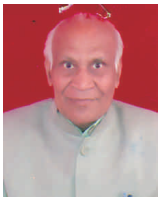
Lt. Mr. Jagdish Prasad
Agrawal, Pitampura, Delhi

Mr. Vinay Shankar Pandey
Varanasi

Mr. K.L. Dheegara
Chandigarh

Lt. Radheshyam Khetan
Yawatmaal (MH)

Mr. R.K. Goyal
Hissar

Lt. Ginni Bai Agrawal
Akola (MH)

Savitri Das
Guwahati (Assam)

Mrs. Jamuna Devi Jain
Durg (CG)

Lt. Mr. Ram Dhari Garg
Tank Road, Karol Bagh

Mrs. Jayalata Verma
Ujjain (MP)

Mrs. Rajwanti Goyal
Hissar

Mrs. Pushpa Anand Sunena
Panchkula (HR)

Mrs. Santosh Agrawal
Pitampura, Delhi

Mr. Kamal Kanti Chakravarti
Karimganj (Assam)

Lt. Mrs. Shanti Devi
Karol Bagh, Delhi

Mr. Mehul Bhatt,
Saket, Delhi

Lt. Mrs. Savitri Sachanandani
Mumbai

Mrs. Devi Golani
Mumbai

Mr. Ankit Jain
Durg

Miss. Arpita Jain
Durg

Mrs. Kamalesh Kumari Saini
Jind

Mr. Chand Ahuja
Surat (Guj.)

Mrs. Nirmala Ahuja
Surat (Guj.)

Mr. Satish Ahuja
Surat (Guj.)

We are thankful to the Management of Indian Oil Delhi, for their generous cooperation in making "Donation-Gift" of a PHECO machine to TARA NETRALAYA, Delhi for facilitating Free Cataract Surgery.Always grateful - Tara Sansthan, Udaipur

TARA SANSTHAN's EYE - HOSPITAL AT DELHI

Tara Netralaya, WZ-270, Navada, Metro Pillar 720, Uttam Nagar, Delhi - 110059

INCOME TAX EXEMPTION

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G (50%) and 35 AC (100%) of IT Act. 1961

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slep and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

Kindly watch telecast of Tara's Programme on T.V. Channels

पारस	आस्था भजन	MA T.V. (UK)
'पारस' चैनल पर प्रसारण अपराह्ण 3.40 से 4.00 बजे, रात्रि 9.20 से 9.40 बजे	'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण प्रात: 8.40 से 9.00 बजे	'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

वृद्धाश्रम में.....

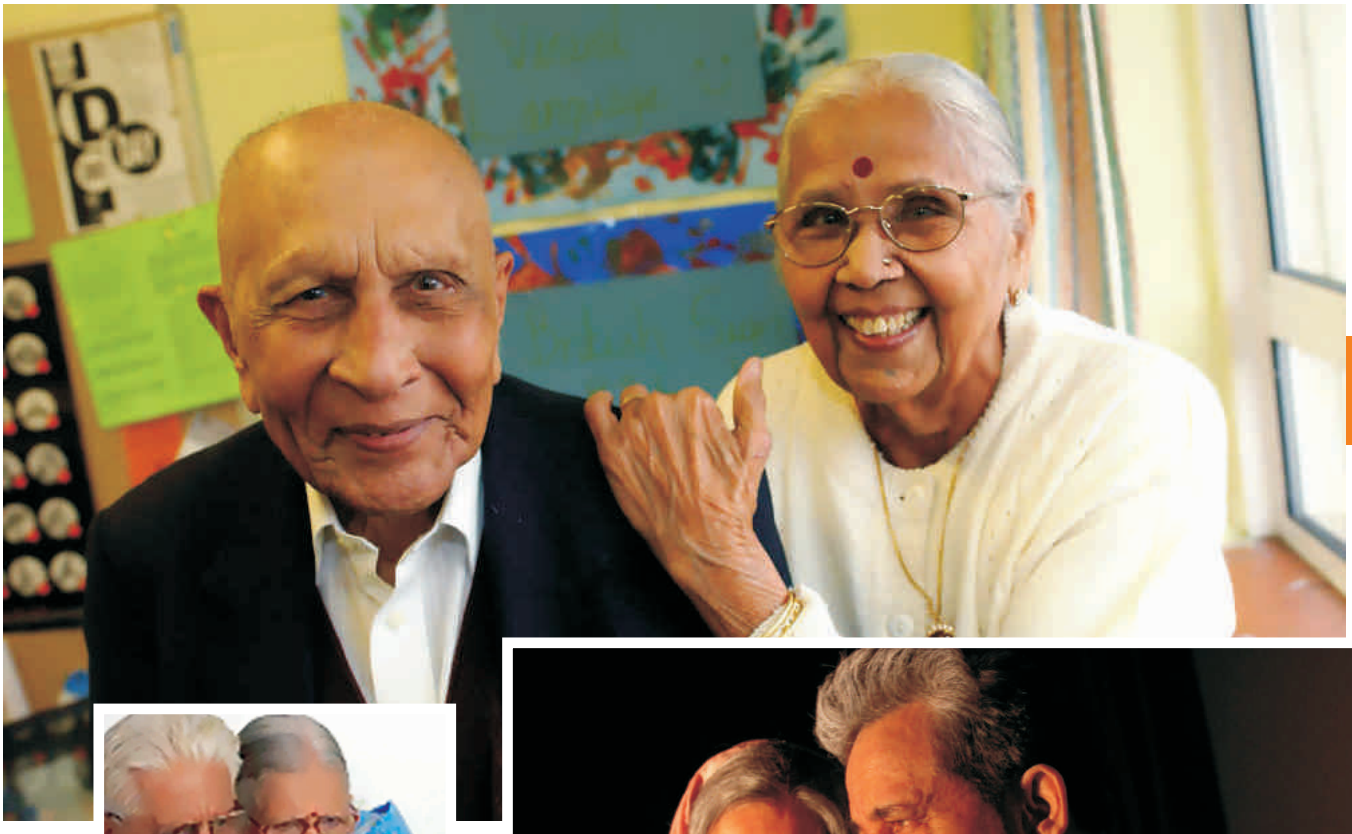

जीवन भर का साथ, जनम जनम का साथ,
ताउम्र एक दूसरे का साथ देते हुए सुख-दुख बाँटने का अहसास
और वृद्धावस्था की ढलती शाम।
सुकून भरा दो वृद्ध पति पत्नी का एक साथ रहने का विश्वास।
इससे अधिक और क्या सुख चाहिए वृद्धावस्था में!

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, जून, 2013

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 100000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., आजीवन सदस्य 11000 रु. (संचितनिधि में)

आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा **80G** (50%) व **35AC** (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा :** अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045	Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406	HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169

Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' चैनल पर प्रसारण अपराह्ण 3.40 से 4.00 बजे, रात्रि 9.20 से 9.40 बजे	'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण प्रातः 8.40 से 9.00 बजे	**MA T.V. (UK)** 'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

बुक पोस्ट

Tara
ज्योतिर्मय जीवन

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : tarasociety@gmail.com,
tara_sansthan@rediffmail.com
Website : www.tarasociety.org